Newspaper : Dainik jagran
Date & Page No:17-10-14 & 8.

दैनिक जागरण कोलकाता, 17 अक्टूबर 2014

# सुरक्षित खेती के प्रति जागरुकता के प्रसार के लिए अभियान

मीडिया को जानकारी देते कैमसन बायोटेक्नॉलॉजीज के सीईओ संतोष नायर। जागरण

- किसान समुदाय के बीच स्वास्थ की बढ़ती हुई चिंता को दूर करना मकसद

**जागरण संवाददाता, कोलकाता** : भारत की अग्रणी बायोटेक्नॉलॉजी कंपनी कैमसन बायोटेक्नॉलॉजीज ने सुरक्षित फार्मिंग अभ्यासों पर जागरुकता के प्रसार के लिए एक कैम्पेन का लॉन्च किया है। कंपनी ने गुरुवार को कोलकाता में स्वस्थ कृषि अभ्यासों पर जानकारी के प्रसार के लिए जीरो रेजिड्यू फार्मिंग सेमिनार का आयोजन किया। यह अभियान भारत में किसान समुदाय के बीच स्वास्थ की बढ़ती हुई चिंता को दूर करने का प्रयास है। जीरो रेजिड्यू फार्मिंग कठोरता से सुरक्षित उत्पाद और सस्टेनेबल फसल पर केंद्रित है।

जीरो रेजिड्यू का प्रमुख केंद्र बायो पेस्टिसाइड्स और प्राकृतिक उर्वरक के प्रयोग के इर्दगिर्द घूमता है, जो मुख्यतः वातावरण में पाए जाने वाले विभिन्न माईक्रोब्स के द्वितीयक मेटाबोलाइट्स से निर्मित है। यह परंपरागत कृषि अभ्यासों (रसायन के प्रयोग) का सस्टेनेबल और भरोसेमंद विकल्प है। यह हवा, मिट्टी और पानी में कोई भी अवशेष नहीं छोड़ता है और इसलिए यह कृषि में सबसे सुरक्षित विधि है। यह फसल की सुरक्षा भी करता है, जिससे इसकी वृद्धि होती है। इस मौके पर कैमसन बायोटेक्नॉलॉजीज के सीईओ संतोष नायर ने बताया कि हमारे पास एक स्वस्थ समाज के निर्माण का लक्ष्य है और यह जमीनी स्तर से प्रारंभ होना चाहिए। यह किसानों और विश्वभर में प्रयुक्त आधुनिक अभ्यासों के बीच की रिक्ति को भरने की दिशा में पहला कदम है। प्राकृतिक उर्वरक बायोएजेंट के रूप में काम करते हैं, जो कि मिट्टी की कंडीशनिंग और पौधे की फिजियोलॉजी एवं उत्पाद के लिए फायदेमंद है। वे मिट्टी में माइक्रोन्यूट्रिएंट को सक्रिय करते हैं, ताकि बढ़ता हुआ पौधा उनका अधिकतम प्रयोग कर सके। बायोसाइड (बायो-पेस्टिसाइड) दूसरे ऑर्गेनिज्मों को नुकसान पहुंचाए बिना किन्हीं खास पेस्टों को खत्म करते हैं। चूंकि ये जीवित तत्व हैं, अतः वे कोई भी जहरीला अवशेष छोड़े बिना इकोसिस्टम में विलीन हो जाते हैं।

Newspaper : Dainik statesman
Date & Page No: 17-10-14 & 8.

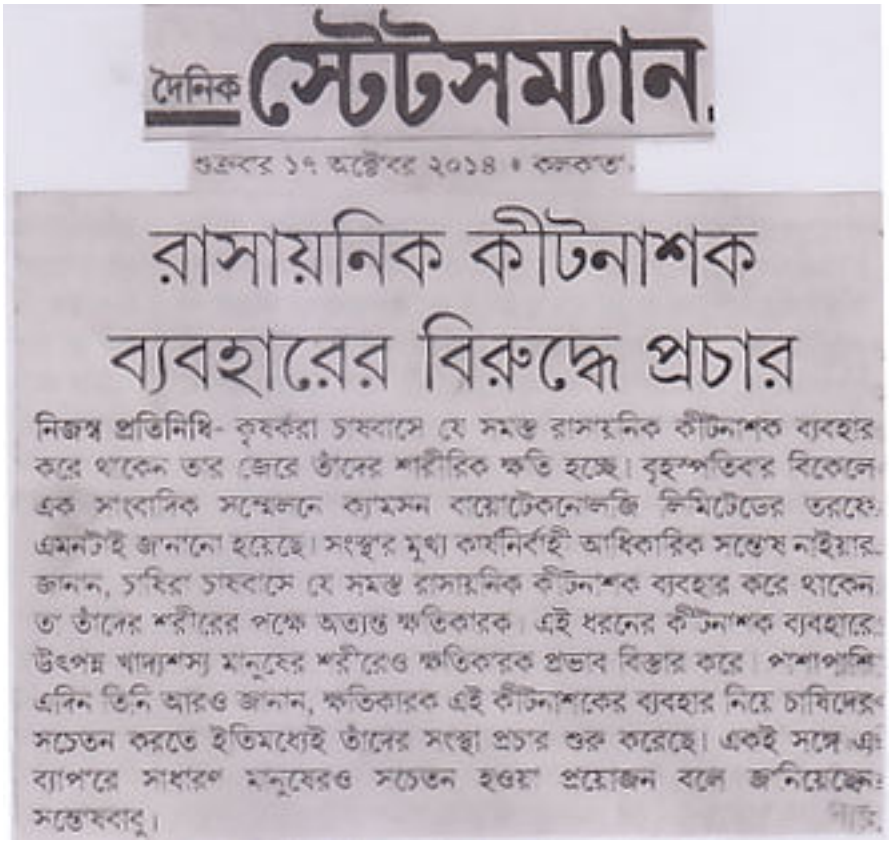

দৈনিক স্টেটসম্যান

শুক্রবার ১৭ অক্টোবর ২০১৪ ● কলকাতা

# রাসায়নিক কীটনাশক ব্যবহারের বিরুদ্ধে প্রচার

নিজস্ব প্রতিনিধি- কৃষকরা চাষবাসে যে সমস্ত রাসায়নিক কীটনাশক ব্যবহার করে থাকেন তার জেরে তাঁদের শারীরিক ক্ষতি হচ্ছে। বৃহস্পতিবার বিকেলে এক সাংবাদিক সম্মেলনে ক্যামসন বায়োটেকনোলজি লিমিটেডের তরফে এমনটাই জানানো হয়েছে। সংস্থার মুখ্য কার্যনির্বাহী আধিকারিক সন্তোষ নাইয়ার জানান, চাষিরা চাষবাসে যে সমস্ত রাসায়নিক কীটনাশক ব্যবহার করে থাকেন তা তাঁদের শরীরের পক্ষে অত্যন্ত ক্ষতিকারক। এই ধরনের কীটনাশক ব্যবহারে উৎপন্ন খাদ্যশস্য মানুষের শরীরেও ক্ষতিকারক প্রভাব বিস্তার করে। পাশাপাশি এদিন তিনি আরও জানান, ক্ষতিকারক এই কীটনাশকের ব্যবহার নিয়ে চাষিদের সচেতন করতে ইতিমধ্যেই তাঁদের সংস্থা প্রচার শুরু করেছে। একই সঙ্গে এ ব্যাপারে সাধারণ মানুষেরও সচেতন হওয়া প্রয়োজন বলে জানিয়েছেন সন্তোষবাবু।

Newspaper : Ganashakti
Date & Page No: 17-10-14 & 2

গণশক্তি
DAILY GANASHAKTI
17 October, Friday, 2014

# জৈব সার ব্যবহার নিয়ে ক্যামসনের আবেদন

নিজস্ব প্রতিনিধি: কলকাতা, ১৬ই অক্টোবর– প্রধানমন্ত্রী যখন স্বচ্ছ ভারতের রূপকল্পের কথা শোনাচ্ছেন তখন দেশের মাটি-বাতাস বিষে ভরে গেছে। রাসায়নিক সার ও কিট নিধনের বিষ প্রয়োগ করে কৃষিজাত উৎপাদন ও মুনাফা বৃদ্ধির লক্ষ্যে বর্তমান ও ভবিষ্যত প্রজন্মের জন্য ভয়ঙ্করকে নিশ্চিত করে তুলছে। শুধু কৃষিজাত পণ্যই নয়, বিষ ছড়াচ্ছে মানুষসহ জীবজগৎজুড়ে। ফসলের শত্রু মারার নামে মেরে ফেলছে প্রকৃতির বন্ধু প্রাণকেও। এই সর্বনাশকে এখনও রুখে দেওয়া সম্ভব। তা নিশ্চিত করতে হলে জনজাগরণ ও গণ আন্দোলন গড়ে তোলা ছাড়া প্রশস্ত পথ বলে কিছু নেই। বৃহস্পতিবার কলকাতায় এই আবেদন জানান ক্যামসন বায়োটেকনোলজিস লিমিটেডের সি ই ও সন্তোষ নায়ার।

তিনি বলেন, এদেশের কৃষি ভবিষ্যত ও জনসম্পদসহ যাবতীয় প্রাণীকূলকে বাঁচিয়ে রাখার এখনো সময় আছে। তার জন্য জৈব রসায়ন প্রয়োগের অভ্যাসকে রপ্ত করতে হবে। ভয়াবহ ক্ষতিকারক নয় এমন জৈব রাসায়নিক সার ও ওষধি ব্যবহার করাই হলো সেই বিবেচক সিদ্ধান্ত। তিনি দাবি করেন, আমেরিকা তার বহুজাতিক রাসায়নিক সার ও ওষুধ প্রস্তুতকারক সংস্থাগুলির সব মজুত জড়ো করছে ভারত, পাকিস্তানসহ দক্ষিণ পূর্ব এশিয়ার দেশগুলিতে। গড়ে উঠেছে আরো বেশি মুনাফাকেন্দ্রিক অভ্যাস। যা আসলে মুনাফার বদলে নিশ্চিত মৃত্যু পথগামী। উন্নত দেশগুলিতে ৬৭টি নিষিদ্ধ রাসায়নিক বিষ এদেশে দেদার ব্যবহৃত হচ্ছে। এখানে যা বিক্রি হচ্ছে তা নিষেধাজ্ঞার বাইরেও বহু মাত্রায় বেশি।

Newspaper : Prabhat khabar.
Date & Page No: 17-10-14 & 3.

प्रभात खबर
कोलकाता, शुक्रवार, 17 अक्तूबर, 2014
www.prabhatkhabar.com

# सुरक्षित खेती के लिए जागरूकता अभियान शुरू

**कोलकाता.** बायोटेक्नोलॉजी कंपनी कैमसन बायोटेक्नोलॉजी लिमिटेड ने देश में सुरक्षित खेती के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान की शुरुआत की है. कंपनी ने महानगर में एक सेमिनार का आयोजन किया, जिसे संबोधित करते हुए कंपनी के सीइओ संतोष नायर ने कहा कि हमारा लक्ष्य देश में किसान समुदाय के बीच स्वास्थ्य की बढ़ती हुई चिंता को दूर करना है. कंपनी इसके लिए किसानों और उनसे संबंधित संस्थानों के साथ संपर्क कर उनसे बातचीत करेगी. हमारा लक्ष्य एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है, जिसे जमीनी स्तर से आरंभ करेंगे. भारतीय किसान अधिक शिक्षित व जानकार नहीं है. आधुनिक खेती की जानकारी की उनमें बेहद कमी है. कीटनाशकों का सही मात्रा में इस्तेमाल नहीं करने के कारण न केवल उत्पादन प्रभावित होता है, बल्कि विदेशों में भेजे गये उत्पाद को भी वापस कर दिया जाता है. इस वर्ष इंगलैंड व जर्मनी ने बड़ी संख्या में भारतीय आम इसी कारण से वापस कर दिया था. किसानों को आधुनिक खेती, कीटनाशकों के सही इस्तेमाल इत्यादि की जानकारी उपलब्ध कराना व खेती के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना हमारा मकसद है.

Newspaper : Salam Dhuniya
Date & Page No: 17-10-14 & 5.

सलाम दुनिया
17 अक्टूबर 2014, शुक्रवार

# कैमसन बायोटेक्नोलॉजिज लिमिटेड का जीरो रेजीड्यू फार्मिंग सेमिनार

**कोलकाताः** कैमसन बायोटेक्नोलॉजिज लिमिटेड द्वारा खेती के सुरक्षित तरीके से किसानों एवं लोगों को रुबरु कराने के उद्देश्य से जीरो रेजीड्यू फार्मिंग अभियान शुरू किया गया है। गुरुवार को कैमसन बायोटेक्नोलॉजिज लिमिटेड द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन के जीरो रेजीड्यू फार्मिंग अभियान के तहत किस तरह केमिकल के उपयोग के बिना खेती की जा सकती है। इस मुद्दे पर चर्चा की गई। इसके साथ ही किसान समुदाय में बढ़ रहे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान पर भी प्रकाश डाला गया। कैमसन बायोटेक्नोलॉजिज लिमिटेड के कार्यकारी प्रबंधक संतोष नायर ने कहा कि हमारा लक्ष्य एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है। जहां लोगों को बीमार न होना पड़े। इस योजना के माध्यम से केमिकल का उपयोग किये बिना खेती करने की शिक्षा भी किसानों को दी जायेगी।

Newspaper : Statesman.
Date & Page No: 17-10-14 & 15.

The Statesman
KOLKATA, FRIDAY 17 OCTOBER 2014

SAFER FARMING PRACTICES FOR THE TILLER

# Campaign launched

STATESMAN NEWS SERVICE
Kolkata, 16 October

In a bid to address the growing health issues among farmers due to an excessive use of pesticides, an agri-biotechnology company today launched a campaign to spread awareness on safe farming practices.

Camson Biotechnology today organised the zero-residue farming seminar in the city to share knowledge on healthy farming practices, an initiative to stop the growing health issues among the farmer community in the country.

Zero-residue farming strictly focuses on safer produces and sustainable yields.

Mr Santosh Nair, CEO of Camson Biotechnology, said the core of zero-residue farming revolves around the usage of bio-pesticides and natural fertilisers derived organically from secondary metabolites of various microbes available in the atmosphere.

This is a reliable and sustainable alternative to farming based on chemicals.

He said that this left no residue in the air, soil or water and helps in protecting crops, enhancing their growth.

"We are closely associated with the farmer community and working on their health issues which is a concern as excessive use of pesticides has taken its toll on them.

"We are sharing our knowledge among farmers who are not well informed on the adverse effects of chemicals," said Mr Niar.

This is the first step towards bridging the gap between farmers and advance practices followed globally, he added.

According to him, the natural fertilisers act as bio agents which is beneficial for soil conditioning and improving the plant physiology and produce.

"Natural fertilisers mobilise the micro-nutrients in the soil to maximise their utilisation by the growing plant.

"The biocide, known as bio-pesticide, works specifically against certain pests without harming other organisms. Since they are living strains, they assimilate into the ecosystem without leaving any toxic residue," Mr Nair said.

**News Paper Name : Aajkaal**
**Date & Page No : 31-10-2014 & 7**

আজকাল কলকাতা ৩১ অক্টোবর ২০১৪

## ক্যামসন আলোচনা

আজকালের প্রতিবেদন: চাষের উন্নত পদ্ধতি নিয়ে প্রচার করছে ক্যামসন বায়োটেকনোলজি লিমিটেড। কলকাতায় জিরো রেসিডিউ ফার্মিং নিয়ে আলোচনাসভা করেছে তারা। এই পদ্ধতির মূল বিষয় হল বায়ো-পেস্টিসাইড এবং প্রাকৃতিক সার ব্যবহার করা। রাসায়নিক চাষের তুলনায় এটি উন্নত এবং স্বাস্থ্যকর।

**News Paper Name : Bengal Express**
**Date & Page No : 30-10-2014 & 4**

নিজস্ব সংবাদদাতাঃ কামসন বায়োটেকনোলজিস লিমিটেড এক সাংবাদিক সম্মেলনের আয়োজন করেছিল। সেই সাংবাদিক সম্মেলনে ভাষণ দেন সংস্থার সিইও মিঃ সন্তোষ নায়ার। ভাষণের মূল বক্তব্য ছিল স্বাস্থ্য গোধের।

**News Paper Name : Jansatta**
**Date & Page No : 21-10-2014 & 2**

कोलकाता 21 अक्तूबर, 2014

जनसत्ता

## सुरक्षित खेती के लिए अभियान

कोलकाता, 20 अक्तूबर (जनसत्ता)। भारत की अग्रणी एग्री बॉयोटेक्नोलॉजी कंपनी कैमसन बॉयोटेक्नोलॉजिज लिमिटेड ने किसानों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य व सुरक्षित खेती के लिए एक अभियान शुरू किया है। इस बारे में कैमसन के पदाधिकारी संतोष नायर ने बताया कि हमें एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है। विशेषकर, खेती करने वाले किसानों को जागरूक बनाना है ताकि सुरक्षित तरीके से खेती कर सकें। उन्होंने बताया कि हमारे अभियान से फसलों की सुरक्षा बढ़ेगी और किसानों में जागरूकता आएगी।

**News Paper Name : Kalantar**
**Date & Page No : 30-10-2014 & 3**

কালান্তর
৩০ অক্টোবর, ২০১৪/কলকাতা

# ক্যামসন বায়োটেকনোলজির উদ্যোগ

ক্যামসন বায়োটেকনোলজির লিমিটেড চাষবাসে যে সমস্ত কীটনাশক ব্যবহার হচ্ছে তার ওপর সমীক্ষা করেন। সংস্থার মুখ্য কার্যনির্বাহী আধিকারিক সন্তোষ নাইয়ার বলেন চাষীরা যে ধরনের কীটনাশক ব্যবহার করেন এর থেকে উৎপন্ন খাদ্যশস্য মানুষের শরীরের পক্ষে ক্ষতিকারক। এ ব্যাপারে চাষীদের সচেতন হওয়া দরকার। ক্ষতিকারক কীটনাশক ব্যবহার নিয়ে চাষীদের সচেতন করতে তাদের সংস্থা প্রচার শুরু করেছে বলে জানালেন নাইয়ার।